

---

# Dashavatara Stotram 10

---

## दशावतारस्तोत्रम् १०

---

### Document Information

Text title : Dashavatara Stotram 10

File name : dashAvatAraStotram10.itx

Category : vishhnu, dashAvatAra, vAsudevAnanda-sarasvatI

Location : doc\_vishhnu

Author : vAsudevAnandasarasvatI TembesvAmi

Description-comments : From stotrAdisangraha

Latest update : May 12, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 12, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

दशावतारस्तोत्रम् १०



मत्स्योब्धिविहारः पूर्वो ह्यवतारः ।  
जातः श्रुतिहारः पूज्यो मनुतारः ॥ १ ॥  
नष्टामरबाधः कूर्मोऽथ धराधः ।  
गत्वा वहतीशः क्षमां योऽप्यमृतेशः ॥ २ ॥  
भूमृत्स हिरण्याक्षघ्नोऽत्र तृतीयः ।  
भूदार उदारो यज्ञो भजनीयः ॥ ३ ॥  
भृत्योक्त्यनुसारी पूर्वोऽसुरवैरी ।  
नाम्नापि नृसिंहः साक्षाच्च नृसिंहः ॥ ४ ॥  
यो वामनवेषः सन् पञ्चम एषः ।  
याञ्चोपधिबद्धस्तेनो बलिरद्धा ॥ ५ ॥  
दूराङ्गयकामः स्याद्भार्गवरामः ।  
क्षमादो गुरुदासः षष्ठोऽब्धनिवासः ॥ ६ ॥  
राङ्गम आसीद्रामो वनवासी ।  
पित्र्युक्त्यनुसारी रक्षोलयकारी ॥ ७ ॥  
वर्ण्यष्टम इष्टः कृष्णो हतदुष्टः ।  
यः षोडशनारीसाहस्रविहारी ॥ ८ ॥  
बुद्धो नवमोऽयं विस्तारितमायम् ।  
यं कोऽपि न वेद सोऽप्यावृतिमर्दः ॥ ९ ॥  
श्लेच्छक्षयकर्ता कल्की वृषभर्ता ।  
विप्रो भवितार्थ्यः शूरो दशमोऽर्च्यः ॥ १० ॥  
इति श्रीवासुदेवानन्दसरस्वतीविरचितं दशावतारस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

*Dashavatara Stotram 10*

pdf was typeset on May 12, 2021

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

